मॉडल पाठ्यक्रम

क्यूपी नाम: गर्भिनी मित्रा

क्यूपी कोड: HSS/Q3801

क्यूपी संस्करण: 3.0

एनएसक्यूएफ स्तर: 3

मॉडल पाठ्यक्रम संस्करण: 1.0

हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल || हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल, 520, डीएलएफ टॉवर ए, 5वीं मंजिल, जसोला डिस्ट्रिक्ट
केंद्र, नई दिल्ली – 110025

विषयसूची

प्रशिक्षण पैरामीटर 3
कार्यक्रम अवलोकन 4
प्रशिक्षण परिणाम 4
अनिवार्य मॉड्यूल 4
मॉड्यूल विवरण 6
मॉड्यूल 1: आयुष स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का परिचय 6
मॉड्यूल 2: महिला प्रजनन प्रणाली शरीर रचना और शरीर विज्ञान (स्त्री रचना शरीरा और क्रिया शरीरा) 7
मॉड्यूल 3: गर्भिणी मित्र की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां 8
मॉड्यूल 4: गर्भ विज्ञान (गर्भाधान पूर्व देखभाल) 10
मॉड्यूल 5: आयुर्वेदिक आहार (आहार) और अवधारणाएँ 11
मॉड्यूल 6: गर्भ- गर्भिणीविज्ञान (प्रसवपूर्व देखभाल) 12
मॉड्यूल 7: प्रसाद और सूतिका विज्ञान (प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल) 13
मॉड्यूल 8: सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और प्राथमिक चिकित्सा 14
मॉड्यूल 9: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं 16
मॉड्यूल 10: रोजगार कौशल (30 घंटे) 17
अनुलग्नक 17
प्रशिक्षक की आवश्यकताएं 18
मूल्यांकनकर्ता की आवश्यकताएं 19
मूल्यांकन रणनीति 20
संदर्भ 21
शब्दकोष 22
संक्षिप्त और संक्षिप्तीकरण 23

प्रशिक्षण पैरामीटर

क्षेत्र	स्वास्थ्य देखभाल
उप-क्षेत्र	आयुष
पेशा	आयुर्वेद संबद्ध
देश	भारत
एनएसक्यूएफ स्तर	3
एनसीओ/आईएससीओ/आईएसआईसी कोड के अनुरूप	एनसीओ-2015/शून्य
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता और अनुभव	• 8वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव • एनएसक्यूएफ लेवल 2.5 की पूर्व प्रासंगिक योग्यता तथा 1.5 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव।
पूर्व-आवश्यक लाइसेंस या प्रशिक्षण	
नौकरी में प्रवेश की न्यूनतम आयु	18 वर्ष
अंतिम बार समीक्षित	18 फरवरी 2025
अगली समीक्षा तिथि	18 फरवरी 2028
एनएसक्यूसी अनुमोदन तिथि	18 फरवरी 2025
क्यूपी संस्करण	3.0
मॉडल पाठ्यक्रम निर्माण तिथि	18 फरवरी 2025
मॉडल पाठ्यक्रम वैध और अद्यतन	18 फरवरी 2028
मॉडल पाठ्यक्रम संस्करण	3.0
पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि	360 घंटे.
पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि	360 घंटे.

कार्यक्रम अवलोकन

यह खंड कार्यक्रम के अंतिम उद्देश्यों तथा उसकी अवधि का सारांश प्रस्तुत करता है।

प्रशिक्षणपरणाम

कार्यक्रम के अंत में, शिक्षार्थी को सूचीबद्ध ज्ञान और कौशल प्राप्त कर लेना चाहिए।

- प्रसूतितंत्र और स्त्रीरोग से संबंधित आयुर्वेद और पंचकर्म की अवधारणा और मौलिक सिद्धांतों की व्याख्या करें।
- गर्भ-गर्भिणी विज्ञान की अवधारणा और मौलिक सिद्धांतों की व्याख्या करें।
- प्रसंग और सूतिका विज्ञान की अवधारणा और मौलिक सिद्धांतों की व्याख्या करें।
- अभ्यंग, स्वेदन (नाड़ी- स्वेदन, परिशेका, अवगाहना), योनि धूमपना योनि प्रक्षालन, योनि वर्ती, लेपा, बस्ती का प्रदर्शन करें।
- प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल के दौरान आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझाइए।
- प्रसाद और सूतिका विज्ञान की अवधारणा स्पष्ट करें।
- व्यक्तिगत स्वच्छता, सौन्दर्य और व्यक्तिगत व्यवहार बनाए रखें संगठन के मानकों.
- प्रासंगिक अभिलेखों को बनाए रखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।
- जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान और संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करें।
- संबंधित प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित कानून, प्रोटोकॉल और दिशानिर्देशों के अनुसार पेशेवर और चिकित्सीय-कानूनी आचरण बनाए रखें।

अनिवार्य मॉड्यूल

तालिका में क्यूपी के अनिवार्य एनओएस के अनुरूप मॉड्यूल और उनकी अवधि सूचीबद्ध है।

एनओएस और मॉड्यूल विवरण	सिद्धांत अवधि	व्यावहारिक अवधि	कार्यस्थल पर प्रशिक्षण अवधि (अनिवार्य)	नौकरी पर प्रशिक्षण अवधि (अनुशंसित)	कुल अवधि
एचएसएस/एन3805: संस्करण 1.0 प्रसूति और स्त्री रोग का परिचय	**10:00**	**20:00**	**15:00**	00:00	**45:00**
मॉड्यूल 1: आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में प्रसूति और स्त्री रोग का परिचय	05:00	10:00	00:00	00:00	15:00
मॉड्यूल 2: महिला प्रजनन प्रणाली शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान (स्त्री रचना शरीर और क्रिया शरीर)	05:00	10:00	15:00	00:00	30:00
HSS/N3801: संस्करण 3.0	**10:00**	**35:00**	**15:00**	00:00	**60:00**

स्त्री रोग विशेषज्ञ (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन के अनुसार गर्भधारण-पूर्व देखभाल के लिए ग्राहकों की सहायता करना।					
मॉड्यूल 3: भूमिकाएं और जिम्मेदारियां गर्भिनी मित्रा	05:00	10:00	00:00	00:00	15:00
मॉड्यूल 4: गर्भ विज्ञान (गर्भाधान पूर्व देखभाल)	03:00	10:00	05:00	00:00	18:00
मॉड्यूल 5: आयुर्वेदिक आहार (आहार)	02:00	15:00	10:00	00:00	27:00
HSS/N3802: संस्करण 3.0 स्त्री रोग विशेषज्ञ (आयुर्वेद) की देखरेख में प्रसवपूर्व देखभाल के लिए ग्राहकों की सहायता करना	**20:00**	**40:00**	**30:00**	**00:00**	**90:00**
मॉड्यूल 6:गर्भ- गर्भिणीविज्ञान (प्रसवपूर्व देखभाल)	20:00	40:00	30:00	00:00	90:00
HSS/N3803: संस्करण 3.0 स्त्री रोग विशेषज्ञ (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन के अनुसार प्रसवोत्तर देखभाल के लिए सहायता प्रदान करें	**15:00**	**15:00**	**30:00**	**00:00**	**60:00**
मॉड्यूल 7: प्रसाद और सूतिका विज्ञान (प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल)	15:00	15:00	30:00	00:00	60:00
HSS/N9624:संस्करण 2.0 बनाए रखें सुरक्षित और संरक्षित कार्य वातावरण	**05:00**	**10:00**	**15:00**	**00:00**	**30:00**
मॉड्यूल 8: सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और प्राथमिक चिकित्सा	05:00	10:00	15:00	00:00	30:00
HSS/N9622:संस्करण 2.0 स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण दिशानिर्देशों का पालन करें	**10:00**	**20:00**	**15:00**	**00:00**	**45:00**
मॉड्यूल 9: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं	10:00	20:00	15:00	00:00	45:00
उप कुल	**90:00**	**120:00**	**120:00**	**00:00**	**330:00**
DGT/VSQ/N0101, V1.0, रोजगार कौशल (30 घंटे)	30:00	00:00	00:00	00:00	30:00
कुल	**120:00**	**120:00**	**120:00**	**00:00**	**360:00**

मॉड्यूल विवरण

मॉड्यूल 1: आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में प्रसूति और स्त्री रोग का परिचय

HSS/N3805, संस्करण 1.0 पर मैप किया गया

टर्मिनल परिणाम:

- भारत में आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग विभाग का वर्णन करें।

अवधि:*05:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• देश में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं में प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग विभाग के बारे में समझें। • आधुनिक स्वास्थ्य सेवा के साथ आयुष के एकीकरण पर चर्चा करें। • आयुष प्रणाली में दार्शनिक और सैद्धांतिक आधार की अवधारणा। • प्रसाद गृह, शिशु गृह, सूतिका गृह (प्रसव गृह, शिशु कक्ष और प्रसवोत्तर कक्ष) के बारे में विस्तार से चर्चा करें।	• प्रसूति विभाग में अपनाई जाने वाली प्रणाली के बारे में एक फ्लो चार्ट तैयार करें। • एक रोल प्ले में प्रसाद गृह, सूतिका गृह और शिशु गृह को विभिन्न उपकरणों के साथ प्रदर्शित करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
स्तन और गर्भाशय मॉडल जैसे विभिन्न उपकरणों के साथ प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, प्रसाद गृह, सूतिका गृह और शिशु गृह में आयुष अस्पताल का दौरा करें।	

मॉड्यूल 2: महिला प्रजनन प्रणाली (स्त्री रचना शरीरा और क्रिया शरीरा)

मैप किया गया: HSS/N3805 संस्करण 1.0

टर्मिनल परिणाम:

- महिला प्रजनन प्रणाली की संरचना और कार्य के ज्ञान का प्रदर्शन करें।

अवधि: *5:00*	अवधि: 10:00
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• महिला प्रजनन प्रणाली की (रचना) शारीरिक रचना और (क्रिया) शरीरक्रिया विज्ञान की संक्षिप्त समझ के साथ विभिन्न शरीर अंगों की सूची बनाएं। • महिला प्रजनन प्रणाली, स्तन संरचना, मासिक धर्म चक्र, अण्डोत्सर्ग, निषेचन, गर्भावस्था, बांझपन, स्त्री रोग संबंधी समस्याओं आदि पर संक्षेप में चर्चा करें। • गर्भावस्था में गुणों और दोषों की अवधारणा को समझाइए। • प्लाज्मा (रस धातु), रक्त (रक्त धातु) और मांसपेशियों (ममसा धातु) का वर्णन करें। • गर्भाधान से लेकर प्रसाद विधि तक दोष भागीदारी का वर्णन करें। • गर्भिणी परिचर्या, सूतिका परिचर्या, शिशु रोग आदि का विस्तार से वर्णन करें। • महिला एवं बाल स्वास्थ्य के लिए सरकारी पहल की संक्षिप्त जानकारी।	• चार्ट और मॉडल का उपयोग करके महिला प्रजनन प्रणाली और स्तन शरीर रचना के लिए एक चार्ट तैयार करें। • महिला प्रजनन प्रणाली के विभिन्न अंगों का प्रदर्शन करें। • महिला प्रजनन प्रणाली, स्तन ग्रंथि और मासिक धर्म चक्र का एक चार्ट तैयार करें। • गर्भिणी के विभिन्न चरणों में विभिन्न दोषों और उनकी भागीदारी की सूची बनाएं। • एक भूमिका में - गर्भिणी और सूतिका के लिए परिचर्या का प्रदर्शन करें। • माँ और बच्चे से संबंधित विभिन्न योजनाओं और पहलों की सूची बनाएं
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, महिला प्रजनन अंगों, स्तन ग्रंथि और इसके कार्य को समझने के लिए ए.वी. सहायता	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
महिला प्रजनन प्रणाली मॉडल, स्तन मॉडल, महिला प्रजनन पर चार्ट और पोस्टर प्रणालियाँ.	

मॉड्यूल 3: गर्भिणी मित्र की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

मैप किया गया: HSS/N3801, संस्करण 3.0

टर्मिनल परिणाम:

- गर्भिणी मित्र की भूमिका और जिम्मेदारियों का वर्णन करें
- दस्तावेज़ीकरण का प्रदर्शन करें और उचित रजिस्टर बनाए रखें।

अवधि:*5:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• गर्भिणी मित्र की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझाइए। • गर्बिनी मित्रा की भूमिका से संबंधित कार्य के दायरे और क्षमता एवं अधिकार की सीमा पर चर्चा करें। • रोगी के रिकार्ड के उचित दस्तावेज़ीकरण पर चर्चा करें। • विशेषज्ञों की देखरेख में व्यापक गर्भाधान विधि, गर्भिणी परिचर्या, प्रसवपूर्व, प्रसव और सूतिका प्रसवोत्तर देखभाल के लिए आयुर्वेदिक सिद्धांतों को अपनाने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने के महत्व पर चर्चा करें।	• गर्बिनी मित्रा की भूमिका और जिम्मेदारियों को दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार करें • (गर्भाधान विधि) (गर्भाधान पूर्व, (गर्भिणी परिचर्या) प्रसवपूर्व, (प्रसव) प्रसवोत्तर, और (सूतिका) प्रसवोत्तर देखभाल और दस्तावेज़ीकरण बनाए रखने के लिए चरणों की एक सूची बनाएं।
-कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, CYP दिशानिर्देशों पर ई-मॉड्यूल	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
महिला अंगों से संबंधित फील्ड असाइनमेंट, चार्ट और मॉडल के लिए आयुष अस्पताल का दौरा।	

मॉड्यूल 4: गर्भ विज्ञान (पूर्व-गर्भाधान)
मैप किया गया: HSS/HSS/N3801, संस्करण 3.0

टर्मिनल परिणाम:

- गर्भाधान पूर्व देखभाल (गर्भाधान विधि) के ज्ञान का प्रदर्शन करें।

अवधि: *3:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• विशेषज्ञ के निर्देशानुसार स्वस्थ संतान प्राप्ति (गर्भाधान विधि) की अवधारणा समझाएँ • गर्भाकार भाव (स्वस्थ संतान के कारक) की अवधारणा को समझाइए। • स्वस्थ जीवन के लिए योगासन पर चर्चा • मातृबस्ति को समझाइये। योनिपिचु और योनिप्रक्षालन।	• गर्भाधान विधि को दर्शाने वाला एक फ्लो चार्ट बनाएं। • संतान के स्वास्थ्य के लिए विभिन्न कारकों (भावों) की सूची बनाएं • स्वस्थ संतान के लिए विभिन्न योग/ प्राणायाम/ ध्यान का प्रदर्शन • मातृबस्ती, योनिपिछु और योनिप्रक्षालन जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करें।
-कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, ई-CYP दिशा-निर्देशों पर मॉड्यूल	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
विभिन्न प्रक्रियाओं से संबंधित उपकरणों के प्रकार, योग मैट और प्राणायाम से संबंधित चार्ट।	

मॉड्यूल 5: आयुर्वेदिक आहार (आहार)

HSS/N3801 , संस्करण 3.0 पर मैप किया गया

टर्मिनल परिणाम:

- प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात की अवधि में आयुर्वेदिक आहार के लाभों पर चर्चा करें
- आहार में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के उपयोग का प्रदर्शन करें

अवधि:*2:00*	**अवधि**:*15:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• आहार की परिभाषा और उसके प्रकार (अशिता, पीता, लेह्य और खदिता) नुस्खे के अनुसार। • दिनचर्या की क्रियाओं को परिभाषित करें। • शमशान, अध्याशन, विषमशन आदि अनुपमा का ज्ञान और उसका महत्व। • संतुलित आहार की अवधारणा, निद्रा (नींद), और ब्रह्मचर्य और प्रसूति विशेषज्ञ द्वारा निर्देशित इसका महत्व। • विशेषज्ञ के अनुसार धारणिया और अधरणिया वेग की अवधारणा और स्वास्थ्य में उनका महत्व। • पंचकाश्य कल्पना की तैयारियों के बारे में बताएं।	• गार्बिनी के आहार और जीवन शैली के लिए एक चार्ट बनाएं। • दिनचर्या की क्रियाओं की सूची बनाएं। • धरनिया और अधरानिया वेगास की एक सूची बनाएं। • कौशल प्रयोगशाला में औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की पहचान करें जैसे कि ओसिनम सैंक्टम - तुलसी, अज़ादिराक्टा इंडिका - नीम, फोनीकुलम वल्गारे -शतपुष्पा, जिंजिबेरोफिशिएनेल - सुंथी, करकुमा लोंगा - हल्दी • पंचकषाय कल्पना तैयारी (स्वरसा, कालका, कषाय, फैंटा, हिमा) और क्षीरपाक में चरणों का प्रदर्शन
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, ए.वी. एड्स।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
भोजन एवं औषध तैयार करने से संबंधित विभिन्न उपकरण, आयुर्वेदिक औषधियां, तैयारी से संबंधित चार्ट, उपरोक्त विषयों से संबंधित पुस्तकें एवं मार्गदर्शिकाएँ।	

मॉड्यूल 6: गर्भिणी विज्ञान (प्रसवपूर्व देखभाल)

मैप किया गया: HSS/N3802, संस्करण 3.0

टर्मिनल परिणाम:

- प्रसवपूर्व देखभाल (गर्भिणी विज्ञान) का ज्ञान प्रदर्शित करें

अवधि:*20:00*	**अवधि**:*40:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• विशेषज्ञ के मार्गदर्शन के अनुसार गर्भावस्था (प्रसव) के संकेत और लक्षण बताएं। • गर्भ उपघातकर भाव (भ्रूण के लिए हानिकारक कारक) पर चर्चा करें। • विशेषज्ञ के निर्देशानुसार प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर अवधि के दौरान योगासन। • रजस्वला और रजोनिवृत्ति में आहार एवं जीवन शैली के बारे में बताएं। प्रसूति विशेषज्ञ के मार्गदर्शन के अनुसार ऋतुमति परिचर्या।	• प्रसवा में संकेत और लक्षण, आहार और जीवन शैली से संबंधित चार्ट और मॉडल। • दिखानागर्भिणी परिचर्या के दौरान विभिन्न योग/प्राणायाम/ध्यान • मंदा, यवागु, पेया, विलेपि, युषा आदि की तैयारी का प्रदर्शन।
-कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुतियाँ, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, CYP दिशानिर्देशों पर ई-मॉड्यूल	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
आयुष पद्धति के प्रसूति विभाग का भ्रमण, गर्भिणी के आहार एवं जीवनशैली से संबंधित चार्ट एवं पत्रिकाएं।	

मॉड्यूल 7: प्रसाद और सूतिका विज्ञान (प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल)

HSS/N3803, संस्करण 3.0 पर मैप किया गया

टर्मिनल परिणाम:

- नेटल केयर (प्रसव विज्ञान) के ज्ञान का प्रदर्शन करें
- प्रसवोत्तर देखभाल (सूतिका विज्ञान) के ज्ञान का प्रदर्शन करें

अवधि: *15:00*	**अवधि**:*15:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• सूतिका (प्रसवोत्तर देखभाल) के लिए आवश्यक सामग्री और सहायक उपकरण पर चर्चा करें • प्रसूति विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में प्रसव के दौरान गर्भ भ्रूण की भलाई की निगरानी की प्रक्रिया की व्याख्या करें। • सूतिका कला की अवधारणा को समझाइए। • विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्तनपान और स्तन देखभाल की तकनीकों की व्याख्या करें। • विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में नवजात शिशु परिचर्या (शिशु/शिशु देखभाल) की अवधारणा को समझाएं। • नुस्खे में लिखे अनुसार गर्भनिरोधक उपाय (गर्भनिरोधक विधियों) की अवधारणा को समझाइए। • विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में नवजात शिशुओं के टीकाकरण कार्यक्रम का ज्ञान। • (योनिवृत्तच्छेदमं) एपिसिओटॉमी घावों से संबंधित देखभाल की प्रक्रिया को समझना। • एनीमा (साबुन-पानी), योनिप्रक्षालन की प्रक्रिया पर चर्चा करें। • सूतिका में अभ्यंग, स्वेदन और धूपन की प्रक्रिया को नुस्खे के अनुसार समझना। • (नवजात) शिशु नवजात शिशुओं में मालिश तकनीक की प्रक्रिया समझाइए। • विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उदरपट्टा बंधन की अवधारणा को समझाएं।	• सूतिका (माता) और नवजात शिशुओं (नवजात शिशु) के लिए आवश्यक सामग्री किट (जैसे कपड़े और सहायक उपकरण) तैयार करना। • भ्रूण के स्वास्थ्य की प्रक्रिया के चरण लिखिए। • एनिमा (साबुन-पानी), योनिप्रक्षालन का प्रदर्शन। • स्तन देखभाल के चरणों को समझाते हुए एक चार्ट तैयार करें • नवजात शिशुओं के टीकाकरण (शिशु रोगप्रतिरोधक टीकाकल्प) की सूची बनाएं। • गर्भनिरोधक विधियों(गर्भनिरोधक उपाय) को समझाते हुए एक चार्ट बनाएं • प्रदर्शनका A) अभ्यंग B) स्वेदन D) सूतिका में धूपन। • उदरपट्ट बंधन (पेट की पट्टी) की विधि का प्रदर्शन करें • एपिसियोटमी घाव की देखभाल के चरणों का प्रदर्शन करें। • नवजात शिशुओं में मालिश तकनीक का प्रदर्शन।
-कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुतियाँ, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, CYP दिशा-निर्देशों पर ई-मॉड्यूल	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
आयुष प्रणाली में प्रसूति विभाग का दौरा, गर्भवती और सूतिका जीवनशैली से संबंधित चार्ट और पत्रिकाएं, इस इकाई से संबंधित विभिन्न उपकरण।	

मॉड्यूल 8: सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और प्राथमिक चिकित्सा

मैप किया गया: HSS/N9624, संस्करण 2.0

टर्मिनल परिणाम:

- जब भी आवश्यक हो, चिकित्सा आपातकालीन स्थितियों में बुनियादी जीवन समर्थन या बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करें।
- संस्थागत आपातस्थितियों का उचित ढंग से जवाब दें।

अवधि:*05:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• गर्भावस्था में होने वाली सामान्य जटिलताओं के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी दें। • व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए बरती जाने वाली सावधानियों की सूची बनाएं। • सुरक्षात्मक उपकरणों जैसे अवरोधों और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के बारे में बताएं। • आत्म-सुरक्षा के लिए बरती जाने वाली सावधानियों की पहचान करें। • संस्थागत आपात स्थितियों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तकनीकों के बारे में बताएं।	• विभिन्न प्रकार के सुरक्षात्मक उपकरणों, जैसे अवरोध और सुरक्षा उपकरणों को दर्शाने वाला एक चार्ट बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, टॉर्च, शारीरिक प्रतिबंध, अग्निशामक यंत्र	

मॉड्यूल 9: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं

मैप किया गया: HSS/N9622, संस्करण 2.0

टर्मिनल परिणाम:

- आत्म-स्वच्छता की तकनीकें विकसित करें।
- दैनिक गतिविधियों के दौरान संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करें।
- जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में समझें।

अवधि:*10:00*	**अवधि**:*20:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• स्वस्थ जीवन की अवधारणा को समझाइए। • वर्णन करनासंक्रमण नियंत्रण और रोकथाम का महत्व. • रोगजनक जीवों के संचरण को रोकने के लिए रणनीतियों की सूची बनाएं। • हाथ स्वच्छता संबंधी दिशा-निर्देश बताएं। • व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग के महत्व को समझाएं। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के विभिन्न प्रकारों को वर्गीकृत करें। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान के लिए स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करने के महत्व को समझाएं।	• हाथ धोने की तकनीक का प्रदर्शन करें। • विभिन्न व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की सूची बनाएं। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के विभिन्न प्रकारों तथा जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान के लिए प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के रंग-कोडित डिब्बों/कंटेनरों को दर्शाने वाला एक चार्ट बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर। अलग-अलग कोड वाले रंगीन डिब्बे, डिब्बों के रंग कोडिंग के लिए चार्ट	

मॉड्यूल 10: रोजगार कौशल (30 घंटे)
DGT/VSQ/N0101 से मैप किया गया: रोजगार कौशल (30 घंटे)

अनिवार्य अवधि: 30:00			
स्थान: ऑन-साइट			
एस. एन. ओ	**मोड्यूल का नाम**	**मुख्य शिक्षण परिणाम**	**अवधि (घंटे)**
1.	रोजगार कौशल का परिचय	• नौकरी की आवश्यकताओं को पूरा करने में रोजगार योग्यता कौशल के महत्व पर चर्चा करें।	1
2.	संवैधानिक मूल्य - नागरिकता	• संवैधानिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों, नागरिकता, समाज के प्रति जिम्मेदारी आदि के बारे में बताएं जिनका पालन एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक है। • दिखाएँ कि विभिन्न पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ प्रथाओं का अभ्यास कैसे किया जाए।	1
3.	21वीं सदी में पेशेवर बनना	• 21वीं सदी के कौशल पर चर्चा करें। • सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्म-प्रेरणा, समस्या समाधान, समय प्रबंधन कौशल और निरंतर सीखने की मानसिकता प्रदर्शित करें विभिन्न स्थितियों.	1
4.	बुनियादी अंग्रेजी कौशल	• बोलते समय उचित बुनियादी अंग्रेजी वाक्यों/वाक्यांशों का प्रयोग करें।	2
5.	संचार कौशल	• दूसरों के साथ शिष्ट तरीके से बातचीत करने का तरीका प्रदर्शित करें। • दूसरों के साथ मिलकर टीम बनाकर काम करने का प्रदर्शन करें।	4
6.	विविधता और समावेश	• दिखाएं कि सभी लिंगों और दिव्यांगों के साथ उचित व्यवहार कैसे किया जाए। • यौन उत्पीड़न के मुद्दों की समय पर रिपोर्ट करने के महत्व पर चर्चा करें।	1
7.	वित्तीयऔर कानूनी साक्षरता	• वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का सुरक्षित एवं संरक्षित तरीके से उपयोग करने के महत्व पर चर्चा करें। • व्यय, आय और बचत के प्रबंधन के महत्व को समझाएं। • कानूनी अधिकारों के अनुसार किसी भी शोषण के लिए समय पर संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने के महत्व को समझाएं और कानून.	4
8.	आवश्यकडिजिटल कौशल	• डिजिटल उपकरणों को संचालित करने और संबंधित अनुप्रयोगों और सुविधाओं का सुरक्षित और सुरक्षित तरीके से उपयोग करने का तरीका दिखाएं। • ब्राउज़िंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक सुरक्षित तरीके से पहुंचने के लिए इंटरनेट के उपयोग के महत्व पर चर्चा करें।	3
9.	उद्यमशीलता	• संभावित व्यवसाय के अवसरों की पहचान करने, धन की व्यवस्था करने के स्रोतों और संभावित कानूनी और वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर चर्चा करें। वित्तीय चुनौतियाँ.	7
10.	ग्राहक सेवा	• ग्राहकों के प्रकारों के बीच अंतर बताइये। • ग्राहकों की आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने के महत्व को समझाइए। • स्वच्छता बनाए रखने और उचित ढंग से कपड़े पहनने के महत्व पर चर्चा करें।	4

11	प्रशिक्षुता और नौकरियों के लिए तैयारी	• एक बायोडाटा बनाएं. • नौकरियों की खोज और आवेदन करने के लिए विभिन्न स्रोतों का उपयोग करें। • साक्षात्कार के लिए साफ-सुथरे कपड़े पहनने और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर चर्चा करें। • प्रशिक्षुता के अवसरों की खोज और पंजीकरण कैसे करें, इस पर चर्चा करें।	2

रोजगार कौशल के लिए उपकरणों और उपकरणों की सूची		
क्र. सं.	**उपकरण का नाम**	**मात्रा**
1.	नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन वाला कंप्यूटर (पीसी) - और मानक ऑपरेटिंग सिस्टम और मानक वर्ड प्रोसेसर और वर्कशीट सॉफ़्टवेयर के साथ इंटरनेट कनेक्शन (लाइसेंस प्राप्त) (सभी सॉफ्टवेयर या तो नवीनतम संस्करण या उससे नीचे का एक/दो संस्करण होना चाहिए)	आवश्यकता अनुसार
2.	ऊपर	आवश्यकता अनुसार
3.	स्कैनर सह प्रिंटर	आवश्यकता अनुसार
4.	कंप्यूटर टेबल	आवश्यकता अनुसार
5.	कंप्यूटर कुर्सियां	आवश्यकता अनुसार
6.	एलसीडी प्रोजेक्टर	आवश्यकता अनुसार
7.	व्हाइट बोर्ड 1200मिमी x 900मिमी	आवश्यकता अनुसार
नोट: यदि संस्थान में कंप्यूटर लैब उपलब्ध है तो उपरोक्त उपकरण एवं साजो-सामान की आवश्यकता नहीं है।		

आनेवाये अवधि: *120:00*
मॉड्यूल का नाम: ऑन-द-जॉब **प्रशिक्षण स्थान: ऑन साइट**
टर्मिनल परिणाम • गर्भिणी मित्र द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का प्रदर्शन • प्रसव (प्रसव) और (सूतिका) प्रसवोत्तर अवधि के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ को सहायता प्रदान करने के लिए प्रदर्शन करना। • उपकरणों, यंत्रों, दवाओं की व्यवस्था करना तथा प्रक्रिया से पहले, उसके दौरान और बाद में रोगियों को सहायता प्रदान करना सहित विभिन्न प्रकार के कार्य करना। • प्रसव (प्रसव) और प्रसवोत्तर प्रक्रिया के दौरान नियमित रोगी देखभाल गतिविधियाँ करना। • प्रक्रिया के दौरान रोगी की शारीरिक स्थिति का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण मापदंडों की जांच करें और रिकॉर्ड करें। • आहार तैयार करने के लिए दवाइयों, उपकरणों और यंत्रों की जाँच करें। • रोगी के महत्वपूर्ण मापदंडों की जांच और रिकॉर्ड करने का प्रदर्शन करें। • रिकार्ड रखने, भंडारण और पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें। • मजबूत पारस्परिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आत्म-जागरूकता का प्रदर्शन करें। • व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) पहनने और उतारने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें। • स्थानीय जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार जैव-चिकित्सा अपशिष्ट को अलग-अलग रंग के कूड़ेदानों में अलग-अलग करने से लेकर उसके प्रबंधन का प्रदर्शन करना, ताकि अपशिष्ट निपटान के लिए क्रय की गई सामग्री की सूची में प्रविष्टि दर्ज की जा सके।

अनुलग्नक

प्रशिक्षक की आवश्यकताएं

प्रशिक्षक पूर्वापेक्षाएँ						
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	**विशेषज्ञता**	**प्रासंगिक उद्योग अनुभव**		**प्रशिक्षण अनुभव**		**टिप्पणी**
		साल	***विशेषज्ञता***	***वर्ष एस***	***विशेषज्ञताएं***	
प्रसूतितंत्र एवं स्ट्रेट में एमडी/एमएस की डिग्री ईरोगा		1		1		
स्नातक	बीएएमएस	5 वर्ष				

प्रशिक्षक प्रमाणन	
डोमेन प्रमाणन	**प्लेटफ़ॉर्म प्रमाणन**
नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित: "गर्भिनी मित्रा को मैप किया गयाक्यूपी:"HSS/Q3801"v.3 न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।	यह अनुशंसा की जाती है कि प्रशिक्षक नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित हो: "प्रशिक्षक", योग्यता से मैप किया गया पैक: "MEP/Q2601 v3.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।

आंकलन करनेवालाआवश्यकताएं

मूल्यांकनकर्ता पूर्वापेक्षाएँ						
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	**विशेषज्ञता**	**प्रासंगिक उद्योग अनुभव**		**प्रशिक्षण/मूल्यांकनअनुभव**		**टिप्पणी**
		साल	***विशेषज्ञपर***	***साल***	***विशेषज्ञता***	
एमडी/एमएस डिग्री प्रसूतितंत्र&स्त्रीरो गा		2		1		
स्नातक	बीएएम एस	7 वर्ष				

मूल्यांकनकर्ता प्रमाणन	
डोमेन प्रमाणन	**प्लेटफ़ॉर्म प्रमाणन**
नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित: "गर्भिनी मित्र QP: "HSS/Q3801"v.3" से मैप किया गयासाथन्यूनतम स्कोर 80%	यह अनुशंसित है कि मूल्यांकनकर्ता नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित हो: "मूल्यांकनकर्ता", योग्यता पैक से मैप किया गया: "एमईपी/क्यू2701 v3.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।

मूल्यांकन रणनीति

इसमें 'करके सीखने' और प्रदर्शन मानदंडों के आधार पर कौशल और ज्ञान के व्यावहारिक प्रदर्शन पर जोर दिया जाता है। तदनुसार, प्रत्येक नौकरी की भूमिका के लिए मूल्यांकन मानदंड निर्धारित किए जाते हैं और योग्यता पैक में उपलब्ध कराए जाते हैं।

थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों के लिए मूल्यांकन पत्र हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा नियुक्त विषय वस्तु विशेषज्ञों (एसएमई) या एचएसएससी मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसी द्वारा योग्यता पैक में उल्लिखित मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार विकसित किए जाएंगे। मूल्यांकन पत्रों की गुणवत्ता, समय लगने, सटीकता, उपकरण और उपकरणों की आवश्यकता आदि जैसे विभिन्न परिणाम-आधारित मापदंडों के लिए भी जाँच की जाएगी।

योग्यता पैक (क्यूपी) में प्रत्येक एनओएस को एनओएस की गंभीरता के आधार पर मूल्यांकन के लिए एक सापेक्ष भार दिया जाता है। इसमें एनओएस में प्रत्येक तत्व/प्रदर्शन मानदंड को सापेक्ष महत्व, कार्य की गंभीरता और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे पर अंक दिए जाते हैं।

अंतिम मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग किया जाएगा:

1. व्यावहारिक मूल्यांकन:इसमें कौशल प्रयोगशाला में कृत्रिम वातावरण का निर्माण शामिल है, जो योग्यता पैक के लिए आवश्यक सभी उपकरणों से सुसज्जित है।

उम्मीदवार के सॉफ्ट स्किल्स, संचार, योग्यता, सुरक्षा चेतना, गुणवत्ता चेतना आदि का निरीक्षण करके पता लगाया जाता है और निरीक्षण चेकलिस्ट में अंकित किया जाता है। परिणाम को उनके कौशल उपलब्धियों के स्तर को मापने के लिए निर्दिष्ट आयामों और मानकों के विरुद्ध मापा जाता है।

2. मौखिक/संरचित साक्षात्कार:इस उपकरण का उपयोग नौकरी की भूमिका और हाथ में मौजूद विशिष्ट कार्य के संबंध में वैचारिक समझ और व्यवहारिक पहलुओं का आकलन करने के लिए किया जाता है। इसमें सुरक्षा, गुणवत्ता, पर्यावरण और उपकरण आदि पर प्रश्न भी शामिल हैं।

3. लिखित परीक्षा:प्रश्न पत्र में 100 MCQ (कठिन: 40, मध्यम: 30 और आसान: 30) शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक NOS के प्रत्येक तत्व से प्रश्न हैं। लिखित मूल्यांकन पत्र में निम्न प्रकार के प्रश्न शामिल हैं:

i. सत्य / असत्य कथन
ii. बहु विकल्पीय प्रश्न
iii. मिलान प्रकार के प्रश्न.
iv. रिक्त स्थान भरें.
v. परिदृश्य आधारित प्रश्न.
vi. पहचान संबंधी प्रश्न

मूल्यांकनकर्ताओं के संबंध में QA:

मूल्यांकनकर्ताओं का चयन HSSC द्वारा प्रत्येक कार्य भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए निर्धारित "पात्रता मानदंड" के अनुसार किया जाता है। मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा चुने गए मूल्यांकनकर्ताओं की जांच की जाती है और उन्हें HSSC मूल्यांकन ढांचे, योग्यता-आधारित मूल्यांकन, मूल्यांकनकर्ता गाइड आदि से परिचित कराया जाता है। HSSC प्रत्येक कार्य भूमिका के लिए समय-समय पर "मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण" कार्यक्रम आयोजित करता है और मूल्यांकन प्रक्रिया और रणनीति के बारे में मूल्यांकनकर्ताओं को संवेदनशील बनाता है, जो निम्नलिखित अनिवार्य मापदंडों पर उल्लिखित है:

1) एनएसक्यूएफ के संबंध में मार्गदर्शन

2) योग्यता पैक संरचना
3) सिद्धांत, व्यावहारिक और मौखिक मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकनकर्ता के लिए मार्गदर्शन
4) मूल्यांकन शुरू होने से पहले मूल्यांकनकर्ता द्वारा प्रशिक्षुओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा।
5) मूल्यांकन प्रक्रिया पर मार्गदर्शन, संचालन के चरणों के साथ व्यावहारिक संक्षिप्त विवरण, व्यावहारिक अवलोकन चेकलिस्ट और अंक पत्र
6) पूरे बैच में एकरूपता और स्थिरता के लिए मौखिक मार्गदर्शन।
7) नकली मूल्यांकन
8) नमूना प्रश्न पत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन

संदर्भ

शब्दावली

क्षेत्र	सेक्टर अलग-अलग व्यावसायिक संचालनों का समूह है, जिनके व्यवसाय और हित समान होते हैं। इसे अर्थव्यवस्था के एक अलग उपसमूह के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है, जिसके घटक समान लाभ साझा करते हैं। विशेषताएँ और रुचियाँ।
उप-क्षेत्र	उप-क्षेत्र को उसके घटकों की विशेषताओं और हितों के आधार पर आगे के विभाजन से प्राप्त किया जाता है।
पेशा	व्यवसाय नौकरी भूमिकाओं का एक समूह है, जो किसी उद्योग में समान/संबंधित कार्यों का प्रदर्शन करता है।
राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस)	एनओएस व्यावसायिक मानक हैं जो भारतीय संदर्भ में विशिष्ट रूप से लागू होते हैं।
योग्यतापैक (क्यूपी)	क्यूपी में ओ.एस. का सेट शामिल होता है, साथ ही नौकरी की भूमिका निभाने के लिए आवश्यक शैक्षिक, प्रशिक्षण और अन्य मानदंड भी शामिल

परिवर्णी शब्दऔर संक्षिप्तीकरण

ओपन स्कूल	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक
एनएसक्यूएफ	राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा
क्यूपी	योग्यता पैक
सीवाईपी	सामान्य योग प्रोटोकॉल
पीपीई	व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण